कानपुर में रिमोट से चलने वाली एमएमजी-एलएमजी का प्रोटोटाइप तैयार

■ सुहेल खान

कानपुर। देश की सीमाओं पर जल्द ही दुश्मनों पर रिमोट के जरिए मीडियम मशीन गन (एमएमजी) और लाइट मशीन गन (एलएमजी) गोलियों की बौछार करेंगी। सेना के जवान कंट्रोलरूम, बंकर या किसी सुरक्षित स्थान पर बैठकर रिमोट कंट्रोल वेपंस सिस्टम (आरसीडब्ल्यूएस) से इस काम को अंजाम देंगे।

जवाबी फायरिंग पर हमारे जवान सुरक्षित रहेंगे। इतना ही नहीं आरसीडब्ल्यूएस की बदौलत जवान कैमरा और थर्मल इमेजर सेंसर से लक्ष्य को पहचानकर और ऑटो ट्रैकिंग से लक्ष्य को लॉक कर सटीक निशाना लगा सकेंगे।

- सफल ट्रायल के बाद सेना का हिस्सा बनेगा यह सिस्टम
- कैमरों, थर्मल इमेजर से गतिशील लक्ष्य को लॉक कर फायरिंग में सक्षम

कानपुर की स्माल आर्म्स फैक्ट्री (एसएएफ) ने इस रिमोट कंट्रोल वेपंस सिस्टम को बनाने में सफलता हासिल कर ली है। सफल ट्रायल के बाद इसे भारतीय सेना को सौंप दिया जाएगा। खास बात यह है कि एसएएफ में बनी एमएमजी और एलएमजी के हिसाब से ही इसका प्रोटोटाइप तैयार किया है।

और घातक होंगी एमएमजी और एलएमजी

एसएएफ में बनी एमएमजी 1.8 किमी तक एक मिनट में एक हजार गोलियां दागती है।

रिमोट के जरिये एमएमजी की ताकत और बढ़ जाएगी। यह हल्के बख्तरबंद वाहनों को उड़ाने की भी दम रखती है। गतिशील युद्ध की स्थितियों में ऑटो ट्रैकिंग सिस्टम लक्ष्य को लॉक कर निशाना लगाने की शक्ति दे देगा। वहीं, एलएमजी (7.62 एमएम बेल्ट फेड गन) भी रिमोट से ऑपरेट करने पर अधिक घातक हो जाएगी। एक मिनट में 600 गोलियां दागने वाली एलएमजी के हिसाब से भी रिमोट सिस्टम उपयुक्त है। इससे 800 मीटर तक दुश्मनों पर अचूक निशाना लगाया जा सकेगा। रिमोट सिस्टम से दोनों गनों में कारतूस की बेल्ट को आटो रीलोड भी किया जा सकेगा।

हथियारों पर ऐसे करता है काम

एमएमजी और एलएमजी को आरसीडब्ल्यूएस के मोटराइज्ड बुर्ज पर स्थापित किया जाता है। यह बुर्ज 360 डिग्री घूम सकता है और ऊंचाई-निचाई (एलिवेशन) में समायोजित हो सकता है। एसएएफ की 11 किलो की मैग एमएमजी और 9.7 किलो की एलएमजी के अनुकूल इस सिस्टम को तैयार किया गया है। इसमें हथियार को रिमोट ट्रिगरिंग, कारतूस बेल्ट फीडिंग के लिए इलेक्ट्रॉनिक या मैकेनिकल इंटरफेस से जोड़ा जाता है। इस सिस्टम की कंट्रोल यूनिट के बटन से फायर कमांड करने पर मैकेनिकल ट्रिगर सक्रिय होता है। एलएमजी को रिमोट से घुमाया जा सकता है।

> एमएमजी और एलएमजी से गोलियों की बौछार सुरक्षित जगह से ऑपरेट करने के लिए एसएएफ ने रिमोट कंट्रोल वेपंस सिस्टम तैयार किया है। अब इसका ट्रायल होगा। सफलता के बाद यह सिस्टम भारतीय सेना के लिए फायदेमंद साबित होगा। आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत इस सिस्टम को विकसित किया गया है। - सुरेंद्रपति, महाप्रबंधक, स्माल आर्म्स फैक्ट्री